(Q.) भारत में आधुनिक भूगोल की प्रवृति का विश्लेषण कीजिए।

Ans => आधुनिक भारत में भूगोल का अध्ययन हाई-स्कूल और इंटरमीडिएट कक्षाओं में 19वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में हुआ था, परन्तु डिग्री colleges और विश्वविद्यालयों में 20वीं शताब्दी में पूर्वार्द्ध मे हुआ था, भारत में भूगोल की अधिक प्रगति 1950 के बाद हुई है।

→ भारत में भूगोल के डिग्री की कक्षा प्रथमबार 1920 मे पंजाब विश्वविद्यालय से सम्बद्ध एक कॉलेज मे हुआया।
⇒ पटना विश्वविद्यालय मे 1927, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 1928 में प्रारम्भ हुआ। सेन्ट जोहन्स कॉलेज, आगरा 1935, इलाहाबाद विश्वविद्यालय 1937, कोलकाता विश्वविद्यालय 1939, बलवन्त राजपूत कॉलेज 1940 में B.A स्तर की कक्षा प्रारंभ हुआ था। 1950 तक आठ विश्वविद्यालय मे कक्षा प्रारम्भ होगया।

⇒ **M.A तथा M.Sc की स्थापना**

भारत मे भूगोल की स्नातकोत्तर विभाग की स्थापना 1930 ई.में हुई थी।

⇒ **विश्वविद्यालयों में भूगोल :-**

**1950 से पूर्व :-** अलीगढ़ 1937, कोलकाता 1941, बनारस 1946, इलाहाबाद 1946, लुधियाना 1948, मद्रास 1948, पटना 1949 में स्नातकोत्तर विभाग स्थापित हुये थे

=> उच्चतर अध्ययन और अनुसंधान :-

आरम्भ में भारतीय विश्वविद्यालय में भूगोल के स्नातकोत्तरीय विभागों की स्थापना के लिए जो प्रोफेसर महोदय अध्यक्ष पद पर नियुक्त किये जाते थे, वे प्रायः लन्दन विश्वविद्यालय से भूगोल या भूविज्ञान में Ph.D किये हुए होते थे या पेरिस विश्वविद्यालय से डी.लिट् किये हुए होते थे।

अलीगढ़ विवि में भूगोल विभाग के संस्थापक डा० आई० आर० खाँ ने लंदन से Ph.D थे। कलकत्ता विवि में भूगोल विभाग के संस्थापक डॉ० S.P. चटर्जी, बनारस विवि० में भूगोल विभाग के संस्थापक Dr. H.L. हिल्वर, पटना विवि० में भूगोल विभाग के संस्थापक डा० एस० सी० चटर्जी लंदन से Ph.D थे।

=> भारत में भौगोलिक अनुसंधान :-

इण्डियन साइन्स कांग्रेस एसोसिएशन (Indian Science Congress Association) ने 1963 में भारत में विज्ञान के 50 वर्षों के अवलोकन प्रकाशित कराया था जो भारतीय विज्ञान के 50 वर्ष के नाम से प्रकाशित हुआ था। भारत में प्रकाशित हुए भूगोल के लगभग 1400 रिसर्च - पत्र तथा कुछ पुस्तकों का रिव्यू 9 उपभागों में छापा गया था। इन प्रकाशन में सबसे अधिक संख्या रिसर्च - पत्रों का था जो भौतिक भूगोल आर्थिक भूगोल और मानव

भूगोल पर प्रकाशन हुए थे।

* ⇒ भौतिक भूगोल :- भौतिक भूगोल के अभागों में भू-आकृति विज्ञान, जलवायु विज्ञान, मृदविज्ञान, जलराशि और जैविक भूगोल थी। भूआकृतिविज्ञान में सबसे अधिक अनुसंधान भारत की भू वैज्ञानिक संरचना, स्थलाकृति, और दृश्य भूमि-निर्माण से सम्बन्धित थे।

(i) भारतीय प्रायद्वीप की संरचना, गोंडवना उपमहाद्वीप, कर्नाटक-धारवाड़ समूह, बुंदेलखण्ड नाइस, आरावली सीरिज

(ii) छोटा नागपुर का पठार, कुडप्पा समूह, ग्वालियर सीरीज, दैहली सिस्टम

(iii) राजस्थान प्रदेश, मरुस्थलीय श्रेणियों

(iv) हिमालयी श्रेणियाँ, कश्मीर घाटी, कुमाऊँ-गढ़वाल, मेघालय

(v) सिंधु ~~घाटी~~ गंगा के मैदानी प्रदेश, गंगा डेल्टा, प्रायद्वीपीय नदियाँ

(vi) सागरतटीय पट्टियाँ

हिमालय क्षेत्र के मिट्टीयों पर लगभग 300 शोधपत्र प्रकाशित हुआ था।

⇒ आर्थिक भूगोल :- आर्थिक भूगोल के उपविषयों पर लगभग 300 शोधपत्र प्रकाशित हुआ था।

(i) कृषि भूगोल में विशेषतः भूमि उपयोग तथा चावल, गेहूँ, गन्ना, कपास, पटसन चाय एवं रबड़ उद्यानों पर शोध पत्र प्रकाशित हुआ था।

(II) सिंचाई साधनों पर प्रकाशित कुछ शोधपत्रों में पंजाब और हरियाणा के नहरों का अध्ययन था।

(III) औद्योगिक भूगोल के क्षेत्र में मुख्यतः कोयला, जल-विद्युत उत्पादन, लौहा उद्योग, वस्त्र निर्माण एवं परिवहन का अध्ययन था।

(IV) दामोदर घाटी उद्योग, झारखंड-उड़ीसा खनन उद्योग, महाराष्ट्र में वस्त्र निर्माण उद्योग को अध्ययन का प्रकाशन हुआ था।

⇒ मानव भूगोल :— मानव भूगोल के उपभागों में लगभग 350 शोधपत्र प्रकाशित हुआ था। इसमें नगरीय भूगोल, ग्राम प्रतिरूप, उद्यमीकरण प्रयास, जनसंख्या घनत्व, आदिम जातियों और मानव पारिस्थितिकी पर था।

(I) प्रादेशिक और क्षेत्रीय अध्ययनों में सबसे अधिक हुआ।

(II) अनुप्रयुक्त पक्ष पर आवश्यक ध्यान देते हुए, संसाधन का समुचित उपयोग, की भक्ष्य-पूर्ति में सहयोग के उद्देश्यों से भौतिक संसाधनों तथा मानवीय संसाधनों के व्यौरेवार सर्वेक्षण, मापन, मात्रांकरण और नियमों में अधिकाधिक भाग लेना।

भूगोल में अनुसंधान का एक सर्वे :—

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान, परिषद नई दिल्ली ने 1972 में एक प्रोजेक्ट-रिपोर्ट प्रकाशित की थी।

इस सर्वे प्रोजेक्ट का निर्देशन भारतीय वैज्ञानिक अनुसंधान परिषद

2020-7-16 07:52

की इस समिति के द्वारा किया गया था।
भूगोल विभाग के परिषद के लिए स्थायी समितिथी।
(I) प्रो॰ वी॰ एल॰ एस प्रकाश राव – दिल्ली विवि:
(II) प्रो॰ आर॰ एल॰ सिंह –: B.H.U
(III) प्रो॰ एम॰ शफी –: A.M.U
(IV) प्रो॰ आर॰ पी॰ मिश्रा –: मैसूर विश्वविद्यालय
(V) प्रो॰ सी॰ डी॰ देशपाण्डे –: बम्बई विश्वविद्यालय
(VI) प्रो॰ मूनिस रजा –: J.N.U
(VII) प्रो॰ गुरुदेव सिंह गोसल –: पंजाब विवि.
(VIII) प्रो॰ एस॰ एस॰ आलम –: उसमानिया विवि:
(IX) प्रो॰ पी॰ दयाल –: पटना विश्वविद्यालय
(X) प्रो॰ एस॰ पी॰ दास गुप्ता –: नेशनल एटलस ऑरगेनाइजेशन-कलक
(XI) प्रो॰ जे॰ पी॰ नायक –: मेम्बर-सिकेट्री, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली

इस समिति द्वारा निर्देशित यह रिसर्च-सर्वे 9 उपभागों में विभक्त किया गया था।

(1) <u>आर्थिक भूगोल</u> :– (I) कृषि भूगोल, (II) भूमि उपयोग (III) वन संसाधन (IV) संसाधन भूगोल – जन्तु संसाधन, मत्स्य संसाधन, खनिज संसाधन, मृदा, जलीय संसाधन (V) औद्योगिक संसाधन (VI) परिवहन और वाणिज्य भूगोल

(2) <u>भूगोल और योजना</u> :– (I) महानगरीय योजना (II) प्रादेशिकीकरण और प्रादेशिक योजना (III) मात्रात्मक भूगोल का योजना (IV) नदी घाटी विकास योजना।

(3) ऐतिहासिक भूगोल :- (i) सामग्री स्त्रोत (ii) प्राकृतिक और सामाजिक वातावरण का आकलन

(4) मानव भूगोल :- (i) जनसंख्या भूगोल (ii) ग्रामीण बस्ती भूगोल (iii) नगरीय भूगोल (iv) नगर प्रभाव क्षेत्र (v) मानव और पर्यावरण (vi) चिकित्सा भूगोल

(5) राजनीतिक भूगोल :- (i) राज्यों की सीमायें (ii) जनसंख्या और संसाधन (iii) सैन्य बल (iv) अंतर-राष्ट्रीय सद्भावनाएँ

(6) प्रादेशिक भूगोल प्रादेशिक संकल्पना, भारतीय पृष्ठभूमि ; भारतीय प्रादेशिक भूगोल

(7) विधियाँ :- (i) वायु फोटो अध्ययन (ii) भूमि फोटो चित्र (ii) क्षेत्र कार्य (iii) मात्राकरण विधियाँ (iv) त्रिमितिक मानचित्र।

(8) शोध विधितंत्र में ट्रेनिंग :- (i) शोध विधितंत्र में ट्रेनिंग की सुविधायें (ii) कार्य में संयोग (iii) सुधार हेतु सुझाव।

(9) निष्कर्ष और सुझाव :- इसमें भूगोल के 16 पत्रों में सुधार का सुझाव दिया गया है।
(i) कृषि भूगोल (ii) भूमि उपयोग (iii) वन सम्पदा (iv) संसाधन भूगोल (v) औद्योगिक भूगोल (vi) औद्योगिक संस्थान (vii) परिवहन एवं वाणिज्य भूगोल (viii) महानगरीय योजना (ix) प्रादेशिकरण एवं प्रादेशिक योजना (x) नदी घाटी विकास (xi) ऐतिहासिक भूगोल (xii) ग्रामीण बस्तियों (xiii) नगरीय भूगोल (xiv) मानव और वातावरण (xv) राजनीतिक भूगोल (xvi) शोध विधि तंत्र में ट्रेनिंग।

भौगोलिक अनुसंधानों को प्रोत्साहित देनेवाले अभिनव कार्य-

(i) अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक सेमिनार अलीगढ़ - 1956

(ii) बिड़ला एज्यूकेशन द्वारा भारत में मानचित्र पर सेमिनार - 1975

(iii) International Geographical Congress New Delhi - 1968